पत्र - सप्तम

"भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा"

* भाषा एवं ध्वनि :-

"भाषा शब्द संस्कृत की "भाष धातु, जिसका अर्थ व्यक्त वाक् से है, सामान्य रूप से भाषा का अर्थ है बोलचाल की भाषा या बोली।

भाषा — भाषा, मानव की प्रगति में विशेषरूप से सहायक रही है। हमारे पूर्वपुरुषों के सारे अनुभव हमें भाषा के माध्यम से ही प्राप्त हुए हैं। हमारे सभी शास्त्र और उनसे होने वाला सम्पूर्ण लाभ भाषा का ही परिणाम है। महाकवि "दण्डी" के शब्दों में :—

"इदमन्धतमः कृत्स्नं जायेत भुवनत्रयम्।
यदि शब्दाह्वयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते ।।"

अर्थात् यह सम्पूर्ण भुवन अंधकारपूर्ण हो जाता, यदि संसार में शब्द स्वरूप ज्योति भाषा का प्रकाश न होता। इसप्रकार विभिन्न विद्वानों ने इस प्रकार भाषा के सन्दर्भ में विचार दिये हैं।

"डॉ० श्यामसुन्दरदास" —

"मनुष्य - मनुष्य के बीच वस्तुओं के विषय में इच्छा और मति का आदान-प्रदान करने के लिए व्यक्त ध्वनि संकेतों का जो व्यवहार होता है उसे भाषा कहते हैं:"

Scanned with CamScanner

"आचार्य कामता प्रसाद गुरु"

"भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार दूसरों पर भली-भाँति प्रकट कर सकता है और दूसरों के विचार आप स्पष्टता समझ सकता है।"

"डा० भोलानाथ तिवारी"

"भाषा उच्चारण अवयवों से उच्चारित मूलतः प्रायः यादृच्छिक (Arbitrary) ध्वनि-प्रतीकों की वह व्यवस्था है जिसके द्वारा किसी भाषा समाज के लोग आपस में विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।"

"आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा"

"जिसकी सहायता से मनुष्य परस्पर विचार-विनिमय का सहयोग करते हैं, उस यादृच्छिक, रूढ़, ध्वनि संकेत की प्रणाली को भाषा कहते हैं।"

विज्ञान

"भाषा के साथ विज्ञान भी सम्मलित हो गया है। विज्ञान शब्द "वि" उपसर्गपूर्वक "ज्ञा" धातु से "ल्युट" (अन) प्रत्यय लगने पर बनता है जिसका अर्थ – विशेष ज्ञान से है।"

Scanned with CamScanner